



विभिन्न न्यूज पोर्टलों में उपलब्ध समाचारात्मक सामग्री को देखने की वरीयताओं का अध्ययन

* डा.दिवाकर अवस्थी

संक्षिप्तांश

आज के बदलते दौर में हर व्यक्ति को अपने कार्यक्षेत्र की मुख्यधारा में बनाये रखने के लिये हर पल स्वयं को अपडेट रखना बहुत जरूरी है। अतः वे अपनी आवश्यकताओं के अनुसार समाचारों को पढ़ने के लिये उनसे संबंधित न्यूज पोर्टलों को वरीयता देते हैं। जिनका प्रस्तुत शोधपत्र में शोधकर्ता ने विश्लेषणात्मक अध्ययन किया है। अतः उसने उत्तर प्रदेश के केन्द्रीय/राज्य विश्वविद्यालयों के पत्रकारिता विभाग में अध्ययनरत् 330 विद्यार्थियों एवं उनमें अध्यापनरत् शिक्षण कर्मियों को उद्देश्यपूर्ण प्रतिचयन पद्धति से चयनित कर स्वनिर्मित वेब न्यूज पोर्टल मतावली की मदद से संबंधित आंकड़ों का संग्रहण किया है। आंकड़ों के विश्लेषणोपरान्त पाया कि –न्यूज पोर्टल पर समाचारात्मक सामग्री पढ़ने के दौरान पाठक प्रथम वरीयता में राष्ट्रीय, द्वितीय वरीयता में अन्तर्राष्ट्रीय, तीसरी वरीयता में क्षेत्रीय, चौथी वरीयता में स्थानीय, पांचवी वरीयता में अन्य प्रकार के न्यूज पोर्टलों को सर्वाधिक देखते हैं, जबकि वे ज्यादातर वरीयताओं में अन्य प्रकार के न्यूज पोर्टलों को सबसे कम देखते हैं।

प्रयुक्त तकनीकी शब्द: न्यूज पोर्टल, पाठक, विभिन्न न्यूज पोर्टलों को देखने की वरीयतायें इत्यादि।

आज वैश्वीकरण का दौर समाज के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है, जिसके कारण लोग स्वयं को स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों से हर पल अपडेट रखना चाहते हैं। ओपेनहेफेन (2011) ने उद्घाटित किया कि विभिन्न ऑनलाइन समाचार माध्यम स्थानीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं से संबंधित अपडेट सूचना व समाचार 24 घण्टे 7 दिन उपलब्ध कराते हैं। जैदी (2017) ने बताया कि राजनीतिक, सैन्य, विज्ञान, धर्म-अध्यात्म, मनोरंजन, सांस्कृतिक, साहित्यिक, आर्थिक, शिक्षा, रोजगार, खेल, शोध आदि से संबंधित समाचार आसानी से हिन्दी न्यूज पोर्टलों पर पढ़ने, देखने व सुनने को मिलते हैं। कुछ इसी प्रकार निकोले जेन्वर (2020) ने भी पाया कि 18-25 वर्ष आयुवर्ग के 58 प्रतिशत इंटरनेट उपभोक्ता न्यूज पोर्टलों में उपलब्ध सामग्री को देखते व पढ़ते हैं। अपनी व्यक्तिगत रुचि और आवश्यकताओं से संबंधित समाचारों को पढ़ने में ज्यादा ध्यान केन्द्रित करते हैं (अल्थास, 2000)। इसी प्रकार डेविड विलियम (2020) ने भी उद्घाटित किया कि 45 प्रतिशत पाठक प्रिन्ट माध्यमों, 43 प्रतिशत पाठक वेब माध्यमों एवं 12 प्रतिशत पाठक अन्य माध्यमों में उपलब्ध सामग्री पर विश्वास करते हैं। वेब माध्यमों में वाक्य छोटे, सरल व आसानी से पढ़े जा सकने वाले होते हैं। तथाछोटे-छोटे पैराग्राफ में समाचारों का संकलन होने के कारण उनमें पाठनीयता अपेक्षाकृत अधिक होती है (जैदी, 2017)। हीह एवं चेन (2011) ने निष्कर्ष निकाला कि इनमें समाचारों का संबंधित चित्रों के साथ प्रस्तुतीकरण पाठकों को अपेक्षाकृत अधिक आकर्षित करते हैं। कुछ अन्य शोध अध्ययन एवं सर्वे रिपोर्ट बताते हैं, कि पाठकप्रमाणिक समाचारों के लिए हर पल अपडेट रहने वाले न्यूज पोर्टलों को अपने चयन में वरीयता देते हैं।

उपलब्ध संबंधित साहित्य के विश्लेषणोपरान्त, शोधकर्ता ने पाया कि पाठक अपनी आवश्यकतानुसार समाचारों को पढ़ने के लिये उनसे संबंधित कुछ न्यूज पोर्टलों को अपनी प्रथम वरीयता देते हैं? जबकि यह आवश्यक नहीं है कि अन्य पाठक भी उन्हें अपनी प्रथम वरीयता ही दें। इसी प्रकार अन्य न्यूज पोर्टलों के सन्दर्भ में पाठकों की वरीयतायें जानना आवश्यक है। प्रस्तुत शोध पत्र में निम्नांकित प्रश्नों का उत्तर खोजने का प्रयत्न किया गया है—



-
- पाठक अपनी पहली वरीयता में किस प्रकार के न्यूज पोर्टलों को देखते हैं ?
 - पाठक अपनी दूसरी वरीयता में किस प्रकार के न्यूज पोर्टलों को देखते हैं ?
 - पाठक अपनी तीसरी वरीयता में किस प्रकार के न्यूज पोर्टलों को देखते हैं ?
 - पाठक अपनी चौथी वरीयता में किस प्रकार के न्यूज पोर्टलों को देखते हैं ?
 - पाठक अपनी पांचवीं वरीयता में किस प्रकार के न्यूज पोर्टलों को देखते हैं ?

उपरोक्त षोध प्रश्नों के आलोक में, षोधकर्ता ने निम्नांकित षोध उद्देश्यों का सृजन किया है—

- पहली वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टलों का अध्ययन करना।
- दूसरी वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टलों का अध्ययन करना।
- तीसरी वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टलों का अध्ययन करना।
- चौथी वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टलों का अध्ययन करना।
- पांचवीं वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टलों का अध्ययन करना।

प्रयुक्त तकनीकी शब्दों की परिभाषा :

- **न्यूज पोर्टल** : प्रस्तुत षोध के सन्दर्भ में वेब न्यूज पोर्टल से तात्पर्य इण्टरनेट आधारित एक ऐसे पहुंच बिन्दु से है, जो विविध प्रकार के समाचारों से संबंधित वेबपेजों का जाल है, तथा पाठकों को एक ही स्थान पर विविध प्रकार के समाचार, फोटो, वीडियो, ऑडियो, विचार, ब्लॉग आदि को उपलब्ध कराता है।
- **पाठक** : प्रस्तुत षोध के सन्दर्भ में पाठकों से तात्पर्य उत्तर प्रदेश के समस्त केन्द्रीय/राज्य विष्वविद्यालयों के पत्रकारिता विभाग में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों जैसे कि बैचलर ऑफ जर्नलिज्म, मास्टर ऑफ जर्नलिज्म, एम.फिल. इन जर्नलिज्म एवं पीएच.डी. इन जर्नलिज्म इत्यादि में अध्ययनरत विद्यार्थियों व अध्यापनरत शैक्षणिक कर्मियों से है।

अध्ययन विधि : प्रस्तुत शोध पत्र में षोधकर्ता ने सर्वेक्षण षोध विधि का प्रयोग किया है।

समष्टि एवं प्रतिदर्श : प्रस्तुत षोध अध्ययन में षोधकर्ता ने उत्तर प्रदेश के समस्त केन्द्रीय/राज्य विष्वविद्यालयों के पत्रकारिता विभाग में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों जैसे कि बैचलर ऑफ जर्नलिज्म,



मास्टर ऑफ जर्नलिज्म, एम.फिल. इन जर्नलिज्म एवं पीएच.डी. इन जर्नलिज्म इत्यादि में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं तथा उनमें अध्यापनरत्तै शैक्षणिक कर्मियों को समष्टि के रूप में परिभाषित किया है। तथा षोधकर्ता ने उपरोक्त समष्टि से प्रतिदर्श के रूप में 330 छात्र/छात्राओं एवं शैक्षणिक कर्मियों का चयन उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन विधि से दो स्तरों पर किया है। षोधकर्ता ने प्रथम स्तर पर उत्तर प्रदेश के समस्त केन्द्रीय/राज्य विश्वविद्यालयों में से तीन केन्द्रीय/राज्य विश्वविद्यालयों का उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन विधि से चयन कर उसने दूसरे स्तर पर प्रतिदर्श के रूप में चयनित प्रत्येक विश्वविद्यालय से 110 छात्र/छात्राओं तथा उनमें अध्यापनरत्तै शैक्षणिक कर्मियों का चयन उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन विधि से किया है।

प्रयुक्त शोध उपकरण –प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्ता ने संबंधित आंकड़ों के संग्रहण के लिए स्वनिर्मित 'वेब न्यूज पोर्टल मतावली' का प्रयोग किया है।

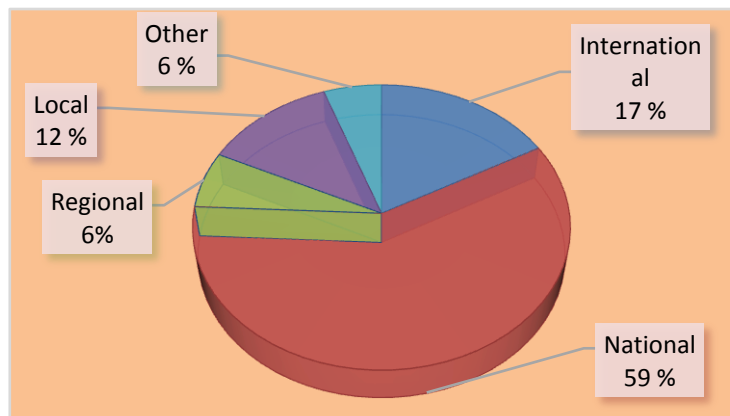
आंकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण एवं व्याख्या :

➤ **उद्देश्य– 1:** पहली वरीयता मेंपाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टलों का अध्ययन करना।

सारणी क्र.–1 : पहली वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टल

देखे गये न्यूज पोर्टल पाठक	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	क्षेत्रीय	स्थानीय	अन्य	योग
पाठकों की संख्या	56	194	21	41	18	330
पाठकों का प्रतिशत	17	59	6	12	6	100

चित्र–1: पहली वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टलों को प्रदर्शित करता हुआ रेखाचित्र



सारणी क्र.–1 एवं रेखाचित्र क्र.–1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रथम वरीयता के रूप में 17

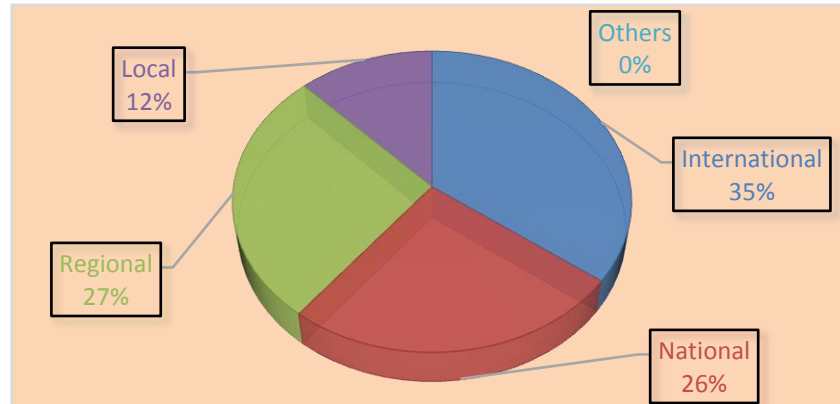
प्रतिषत (56 पाठक) ने अन्तर्राष्ट्रीय समाचार, 59 प्रतिषत (194 पाठक) ने राष्ट्रीय समाचार, 6 प्रतिषत (21 पाठक) ने क्षेत्रीय समाचार, 12 प्रतिषत (41 पाठक) ने स्थानीय समाचार एवं 6 प्रतिषत (18 पाठक) ने अन्य प्रकार के समाचारों को पढ़ने के लिये उनसे संबंधित न्यूज पोर्टलों का चयन किया।

उद्देश्य- 2: दूसरी वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टलों का अध्ययन करना।

सारणी क्र.-2 : दूसरी वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टल

देखे गये न्यूज पोर्टल	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	क्षेत्रीय	स्थानीय	अन्य	योग
पाठकों की संख्या	116	84	90	40	0	330
पाठकों का प्रतिशत	35	26	27	12	0	100

चित्र-2: दूसरी वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टलों को प्रदर्शित करता हुआ रेखाचित्र



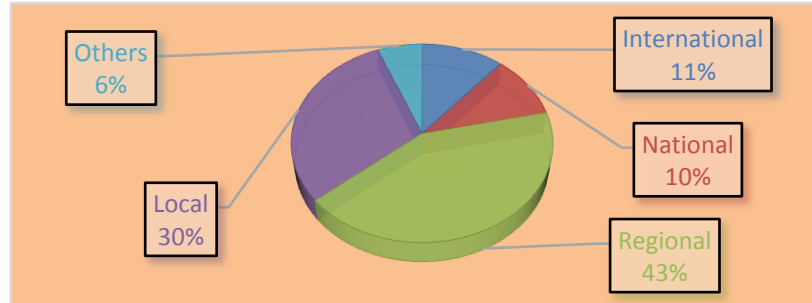
सारणी क्र.-2 एवं रेखाचित्र क्र.-2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि दूसरी वरीयता के रूप में 35 प्रतिषत (116 पाठक) ने अन्तर्राष्ट्रीय समाचार, 26 प्रतिषत (84 पाठक) ने राष्ट्रीय समाचार, 27 प्रतिषत (90 पाठक) ने क्षेत्रीय समाचार, 12 प्रतिषत (40 पाठक) ने स्थानीय समाचारों को पढ़ने के लिये उनसे संबंधित न्यूज पोर्टलों का चयन किया। जबकि अन्य प्रकार के समाचारों को पढ़ने के लिये उनसे संबंधित न्यूज पोर्टलोंका चयन किसी भी पाठक ने नहीं किया।

उद्देश्य- 3: तीसरी वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टलों का अध्ययन करना।

सारणी क्र.-3 : तीसरी वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टल

देखे गये न्यूज पोर्टल	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	क्षेत्रीय	स्थानीय	अन्य	योग
पाठकों की संख्या	37	34	140	99	20	330
पाठकों का प्रतिशत	11	10	43	30	6	100

चित्र-3: तीसरी वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टलों को प्रदर्शित करता हुआ रेखाचित्र



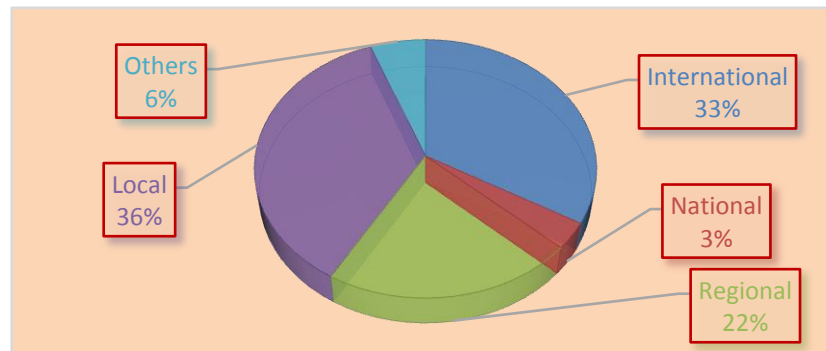
सारणी क्र.-3 एवं रेखाचित्र क्र.-3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि तीसरी वरीयता के रूप में 11 प्रतिषत (37 पाठक) ने अन्तर्राष्ट्रीय समाचार, 10 प्रतिषत (34 पाठक) ने राष्ट्रीय समाचार, 43 प्रतिषत (140 पाठक) ने क्षेत्रीय समाचार, 30 प्रतिषत (99 पाठक) ने स्थानीय समाचार, 6 प्रतिषत (20 पाठक) ने अन्य समाचारों को पढ़ने के लिये उनसे संबंधित न्यूज पोर्टलों का चयन किया।

उद्देश्य- 4: चौथी वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टलों का अध्ययन करना।

सारणी क्र.-4 : चौथी वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टल

देखे गये न्यूज पोर्टल	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	क्षेत्रीय	स्थानीय	अन्य	योग
पाठकों की संख्या	110	11	72	118	19	330
पाठकों का प्रतिशत	33	3	22	36	6	100

चित्र-4: चौथी वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टलों को प्रदर्शित करता हुआ रेखाचित्र



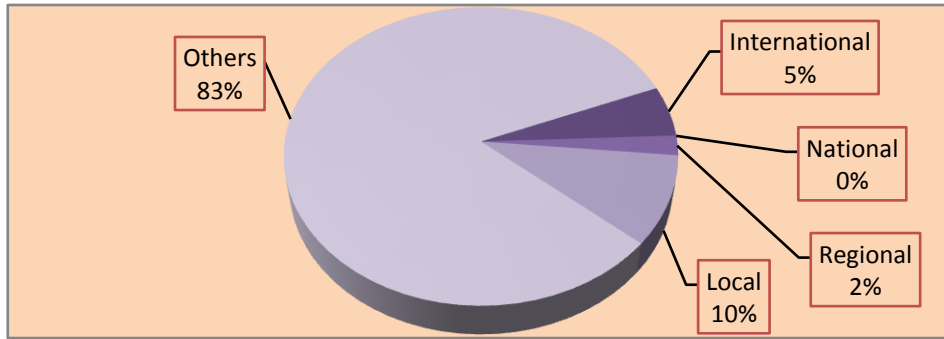
सारणी क्र.-4 एवं रेखाचित्र क्र.-4 के अवलोकन से स्पष्ट है कि चौथी वरीयता के रूप में 33 प्रतिषत (110 पाठक) ने अन्तर्राष्ट्रीय समाचार, 3 प्रतिषत (11 पाठक) ने राष्ट्रीय समाचार, 22 प्रतिषत (72 पाठक) ने क्षेत्रीय समाचार, 36 प्रतिषत (118 पाठक) ने स्थानीय समाचार एवं 6 प्रतिषत (19 पाठकों) ने अन्य समाचारा को पढ़ने के लिये उनसे संबंधित न्यूज पोर्टलों का चयन किया।

उद्देश्य- 5: पांचवीं वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टलों का अध्ययन करना।

सारणी क्र.-5 : पांचवी वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टल

पाठक	देखे गये न्यूज पोर्टल	अन्तर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	क्षेत्रीय	स्थानीय	अन्य	योग
पाठकों की संख्या		18	0	7	32	273	330
पाठकों का प्रतिशत		5	0	2	10	83	100

चित्र-5 : पांचवी वरीयता में पाठकों द्वारा देखे गये न्यूज पोर्टलों को प्रदर्शित करता हुआ रेखाचित्र



सारणी क्र.-5 एवं रेखाचित्र क्र.-5 के अवलोकन से स्पष्ट है कि पांचवी वरीयता के रूप में 5 प्रतिशत (18 पाठक) ने अन्तर्राष्ट्रीय समाचार, 2 प्रतिशत (7 पाठक) ने क्षेत्रीय समाचार, 10 प्रतिशत (32 पाठक) ने स्थानीय समाचार व 83 प्रतिशत (273 पाठक) ने अन्य समाचारों को पढ़ने के लिये उनसे संबंधित न्यूज पोर्टलों का चयन किया। जबकि राष्ट्रीय समाचारों को पढ़ने के लिए किसी ने भी संबंधित न्यूज पोर्टलों का चयन नहीं किया।

निष्कर्ष— पाठक प्रथम वरीयता में सर्वाधिक राष्ट्रीय तथा सबसे कम क्षेत्रीय व अन्य, द्वितीय वरीयता में सर्वाधिक अन्तर्राष्ट्रीय तथा सबसे कम अन्य, तीसरी वरीयता में सर्वाधिक क्षेत्रीय तथा सबसे कम अन्य, चौथी वरीयता में सर्वाधिक स्थानीय तथा सबसे कम राष्ट्रीय, पांचवी वरीयता में सर्वाधिक अन्य तथा सबसे कम राष्ट्रीय स्तर के न्यूज पोर्टलों को अपने चयन में वरीयता देते हैं।



सन्दर्भ :

- ❖ Althaus, S.L., & Tewksbury, D. (2000). Patterns of internet and traditional news media use in a networked community. *Political Communication*, 17: 21-45.
- ❖ [David William](#) (2020). *Small business trends*. Retrieved, march 29, 2020, from <https://smallbiztrends.com/2017/12/traditional-versus-digital-advertising.html>
- ❖ Hsieh, Y.C., & Chen, K.H. (2011). How different information types affect viewer's attention on internet advertising. *Computers in Human Behavior*, 27(2): 935-945.
- ❖ Jaidi, S. (2017). *Editor Online : BBC UK*. Retrieved, June 23, 2019 from WWW.BBChindi.ORG
- ❖ Nicole Genchur (2020). *Six consumers trends to watch in 2020*. Retrieved, march 29, 2020, from <https://www.groundtruth.com/insight/consumer-trends-to-watch/>
- ❖ Opgenhaffen, M. (2011). Multimedia, interactive and hyper textual features in divergent online news platforms: an exploratory study of flemish online news. *First Monday*, 16(3). DOI: 10.5210/fm.v16i3.2826
- ❖ Pandey, Dheeraj K. (2017). Development of a Module on Peace Education for Living in Harmony. Unpublished Ph.D. Thesis in Education. BHU, Varanasi, U.P., India.
- ❖ Awasthi, Diwakar (2020). Hindi Web Portals Ke Home Page Ka Antarvastu Vishleshan. Unpublished Ph.D. thesis in Public Education and Mass Communication. MGCGVV, M.P., India.